



श्री अधीर रंजन जी,

मैं आपको यह पत्र लोकसभा में मणिपुर की घटनाओं पर चर्चा के लिए आपके सहयोग मांगने के लिए लिख रहा हूँ।

भारत के लोकतांत्रिक ढांचे में लोकसभा का विशेष स्थान है। हमारा देश जो लोकतंत्र की जननी और सबसे बड़ा लोकतंत्र है, यह 140 करोड़ भारतीयों का सदन है जो उनकी आशाओं, आकांक्षाओं, समस्याओं और चिंताओं का प्रतिनिधित्व करता है।

लोकसभा हमारे जीवंत लोकतंत्र की आधारशिला है, जहां लोगों की आवाज उनके निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से अभिव्यक्त होती है। विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों की अपनी विविधता के साथ यह सदन राष्ट्रीय महत्व के मामलों पर रचनात्मक बहस में शामिल होने के लिए एक आदर्श मंच प्रदान करता है।

जैसा कि आप जानते हैं कि मणिपुर भारत का एक बहुत महत्वपूर्ण सीमावर्ती राज्य है। मणिपुर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत न केवल मणिपुर बल्कि सम्पूर्ण भारत की संस्कृति का 'गहना' है।

गत छह सालों में मणिपुर में भारतीय जनता पार्टी के शासन में यह क्षेत्र शांति और विकास के नए युग का अनुभव कर रहा था। परन्तु कुछ अदालती निर्णयों और कुछ घटनाओं के कारण मई माह की शुरुआत में मणिपुर में हिंसा की घटनाएं घटी। कुछ शर्मनाक घटनाएं भी सामने आईं जिसके बाद समग्र देश की जनता, उत्तरपूर्व की जनता और विशेषकर मणिपुर की जनता देश की संसद से अपेक्षा कर रही है कि इस कठिन समय में सभी पार्टियाँ दलगत राजनीति से ऊपर उठकर मणिपुर की जनता के साथ खड़ी रहें।

इस समय मणिपुर की जनता चाहती है कि हम सभी पार्टियों के संसद सदस्य उन्हें यह विश्वास दिलाएं कि हम एक होकर मणिपुर की शांति के लिए संकल्पबद्ध हैं। पूर्व में हमारी महान संसद ने यह करके भी दिखाया है।

लगातार....2/....

विपक्ष की मांग है कि सरकार द्वारा मणिपुर पर स्टेटमेंट हो, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि सरकार सिर्फ स्टेटमेंट ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण चर्चा के लिए तैयार है। लेकिन

इसमें सभी दलों का साथ अपेक्षित है। मेरी आपके माध्यम से समग्र विपक्षी दलों से विनती है कि अच्छे वातावरण में चर्चा के लिए आप आगे आएं।

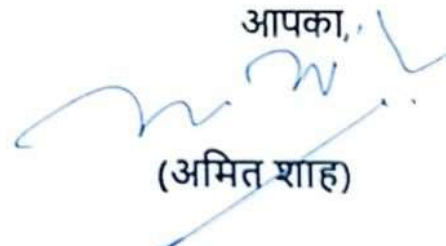
मैं आपसे, सभी संसद सदस्यों से और राजनीतिक दलों से पार्टी लाइन से ऊपर उठकर, लोकसभा की पवित्रता बनाए रखने के लिए एकजुट होने और इसके निरंतर कामकाज में योगदान देने का आग्रहपूर्वक अनुरोध करता हूँ।

लोगों के जनादेश के प्रतिनिधि के रूप में, यह हमारा सामूहिक कर्तव्य है कि हम अपने नागरिकों के हितों की सेवा करें और अपने महान राष्ट्र की बेहतरी के लिए सामूहिक रूप से काम करें।

मैं एक मजबूत भारत के निर्माण की हमारी साझा प्रतिबद्धता में आपकी सकारात्मक प्रतिक्रिया और सहयोग की आशा करता हूँ।

सादर,

श्री अधीर रंजन चौधरी,  
नेता प्रतिपक्ष, लोक सभा,  
4, साउथ एवेन्यु लेन,  
नई दिल्ली- 110011.

आपका,  
  
(अमित शाह)



श्री खड्गे जी,

मैं आपको यह पत्र राज्य सभा में मणिपुर की घटनाओं पर चर्चा के लिए आपके सहयोग मांगने के लिए लिख रहा हूँ।

हमारी संसद भारत के जीवंत लोकतंत्र की आधारशिला है। यह हमारी सामूहिक इच्छा के प्रतीक के रूप में खड़ी है और रचनात्मक बहस, सार्थक चर्चा और जन-समर्थक कानून के लिए प्राथमिक मंच के रूप में कार्य करती है।

राज्य सभा, राज्यों की परिषद होने के नाते, हमारे लोकतांत्रिक ढांचे में एक विशेष स्थान रखती है। यह हमारे विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के हितों और आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है।

जैसा कि आप जानते हैं कि मणिपुर भारत का एक बहुत महत्वपूर्ण सीमावर्ती राज्य है। मणिपुर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत न केवल मणिपुर बल्कि सम्पूर्ण भारत की संस्कृति का 'गहना' है।

गत छह सालों में मणिपुर में भारतीय जनता पार्टी के शासन में यह क्षेत्र शांति और विकास के नए युग का अनुभव कर रहा था। परन्तु कुछ अदालती निर्णयों और कुछ घटनाओं के कारण मई माह की शुरुआत में मणिपुर में हिंसा की घटनाएं घटीं। कुछ शर्मनाक घटनाएं भी सामने आईं जिसके बाद समग्र देश की जनता, उत्तरपूर्व की जनता और विशेषकर मणिपुर की जनता देश की संसद से अपेक्षा कर रही है कि इस कठिन समय में सभी पार्टियाँ दलगत राजनीति से ऊपर उठकर मणिपुर की जनता के साथ खड़ी रहें।

इस समय मणिपुर की जनता चाहती है कि हम सभी पार्टियों के संसद सदस्य उन्हें यह विश्वास दिलाएं कि हम एक होकर मणिपुर की शांति के लिए संकल्पबद्ध हैं। पूर्व में हमारी महान संसद ने यह करके भी दिखाया है। विपक्ष की मांग है कि सरकार द्वारा मणिपुर पर स्टेटमेंट हो, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि सरकार सिर्फ स्टेटमेंट ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण चर्चा के लिए तैयार है। लेकिन इसमें सभी दलों का साथ अपेक्षित है।

मेरी आपके माध्यम से समग्र विपक्षी दलों से विनती है कि अच्छे वातावरण में चर्चा के लिए आप आगे आएं।

लगातार....2/....

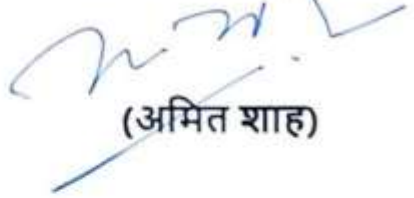
आइए, हम अपने राष्ट्र के सामने आने वाली चुनौतियों का न्यायसंगत और स्थायी समाधान खोजने के लिए पार्टी लाइन से ऊपर उठें और सदभाव से काम करें। मैं आपसे और आपकी पार्टी के सभी सदस्यों से संसद के निरंतर कामकाज को सुनिश्चित करने में अपना समर्थन देने का आग्रह करता हूँ।

आइए, हम सार्थक बहस में शामिल होकर, विविध विचारों का सम्मान करके और अपने महान राष्ट्र की सामूहिक बेहतरी के लिए प्रयास करके, भारत के लोगों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करें। आखिरकार, संसद सदस्य के रूप में, लोकतांत्रिक शासन के सिद्धांतों को बनाए रखना और अपने लोगों के कल्याण के लिए सामूहिक रूप से काम करना हमारा कर्तव्य है।

मैं इस प्रयास में आपकी सकारात्मक प्रतिक्रिया और सहयोग की आशा करता हूँ।

सादर,

श्री मल्लिकार्जुन खड्गे,  
नेता प्रतिपक्ष, राज्य सभा  
10, राजाजी मार्ग,  
नई दिल्ली - 110011

आपका,  
  
(अमित शाह)